RASHTRIYA SAHARA, Delhi, 8.12.2020
Page No. 7, Size:(9.84)cms X (9.11)cms.

# डीपीआर के लिए किया जा रहा जमीनी सर्वेक्षण

■ नई दिल्ली (एसएनबी)।

निर्माणाधीन मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की बनने से पहले रेलवे कुछ और कॉरिडोर बनाने की तैयारी में जुट गई है। इन कॉरिडोरों के लिए सर्वे और फिर उनके डीपीआर बनाने का कार्य किया जा रहा है। इनमें दिल्ली-अमृतसर और दिल्ली-वाराणसी हाईस्पीड रेल कॉरिडोर प्रमुख है। दिल्ली-वाराणसी कॉरिडोर के डीपीआर की तैयारी के सिलसिले में जमीनी सर्वेक्षण के लिए एरियर लिडार तकनीक का सहारा लिया गया है। लिडार तकनीक से कुछ सप्ताह में ही सर्वेक्षण का काम पूरा हो जाएगा। नहीं तो इसके लिए एक वर्ष का समय लगता है।

नेशनल हाईस्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड के अनुसार दिल्ली-वाराणसी कॉरिडोर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए हेलीकाप्टर पर लगाए गए लेजर सक्षम उपकरणों का उपयोग किया गया है। इससे लाइट डिटेक्शन एवं रैजिंग सर्वे (लिडार) तकनीक को अपनाया गया है। इसमें रेल मार्ग का एलाइनमेंट और जमीनी सर्वे दोनों ही आसानी से सटीक होता है।

**दिल्ली-वाराणसी हाईस्पीड रेल कॉरिडोर**